आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 198 | उज्जैन, सोमवार 09 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री करेंगे 330 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहडोल जिले के ब्यौहारी में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव 80 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 250 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 52 विकास कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित करेंगे। यह सम्मेलन राज्य सरकार की जनजातीय समुदायों के समावेशी विकास और उत्थान के लिये प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक निर्माण विभाग के 6 कार्य (31.45 करोड़), लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 33 कार्य (22.64 करोड़), मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का 1 कार्य (10 करोड़), मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 10 कार्य (6 करोड़), लोक निर्माण विभाग (सेतु) का 1 कार्य (4.75 करोड़), जनजातीय कार्य विभाग का 1 कार्य (2.75 करोड़), लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के 3 (1.47 करोड़) कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग के 15 कार्य (121.92 करोड़), मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के 5 कार्य (94.49 करोड़), ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 8 कार्य (9.17 करोड़), लोक निर्माण विभाग के 6 अन्य कार्य (7.69 करोड़), ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 16 कार्य (7.06 करोड़), लोक निर्माण विभाग (सेतु) का 1 कार्य (3.29 करोड़) और मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड कॉर्पोरेशन का 1 कार्य (0.47 करोड़) का भूमि-पूजन करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विभागों की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान करेंगे। इनमें राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी तथा स्वास्थ्य विभाग प्रमुख रूप से शामिल हैं।

रक्षक लुटेरा बन गया, सुप्रीम कोर्ट ने आइटीबीपी के जवान की बर्खास्तगी को बरकरार रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) के उस कांस्टेबल की बर्खास्तगी के निर्णय को बरकरार रखा है, जिसने वेतन भुगतान के लिए रखे गए नकदी बाक्स से पैसे चुराए थे।

कोर्ट ने कहा- बल के सभी सदस्यों को यह ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे बेशर्म आचरण के लिए जीरो टालरेंस है और ऐसे व्यक्ति को सेवा में बने रहने का अधिकार नहीं है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तराखंड हाई कोर्ट के आदेश को रद कर दिया, जिसने आइटीबीपी को कांस्टेबल की बर्खास्तगी की सजा पर पुनर्विचार करने के लिए कहा था।

कांस्टेबल पर उचित कार्रवाई जरूरी- पीठ ने कहा कि गंभीर कादाचार में दोषी पाए जाने पर अनुशासनात्मक प्राधिकरण की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह उत्तरदाता (कांस्टेबल) पर उचित कार्रवाई करे। यह जिम्मेदारी विशेष रूप से पैरामिलिटरी बलों में बढ़ जाती है, जहां अनुशासन, नैतिकता, निष्ठा, सेवा के प्रति समर्पण और विश्वसनीयता बेहद जरूरी हैं।

बर्थडे पोस्टर हटाने को लेकर भड़का विवाद, नगर निगम के कर्मचारियों पर घातक हथियारों से किया हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में नगर निगम के कर्मचारियों पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपी घातक हथियार लेकर नगर निगम के कार्यालय में घुस गए और कर्मचारियों पर हमला कर दिया।

बताया जा रहा है कि हावेरी सिटी म्युनिसिपल काउंसिल में काम करने वाले एक अधिकारी ने नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर आरोपी शांतू का बर्थडे बैनर हटा दिया। इसके बाद दूसरे आरोपी अक्षता केसी ने कर्मचारी के साथ फोन पर गाली-गलौज की।

कार्यालय में घुसकर किया हमला- ये मामला 5 जून का बताया जा रहा है। इसके बाद 6 लोग कथित तौर पर नगर निगम के ऑफिस में घुस गए और धारदार हथियारों से निगम कर्मचारियों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो ठेका कर्मचारी घायल हो गए।

आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। विवाद यहीं नहीं रुका। 7 जून को करीब 10 लोग एक बार में घुस गए और एक निगम कर्मचारी राजू पर हमला कर दिया। उसके सिर पर बैट से मारा गया और बीयर की बोतल से चेहरे और सिर पर वार किया गया।

मणिपुर के 5 जिलों में इंटरनेट सेवा सस्पेंड, हिंसा भड़कने के बाद प्रशासन ने दिखाई सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर सरकार ने 5 राज्यों में इंटरनेट सेवा और मोबाइल डेटा सर्विस पर रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया के जरिए राज्य में झूठी जानकारियां फैलाई जा रही हैं। सरकार ने 7 जून को नोटिस जारी करते हुए यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया है।

मणिपुर के गृह सचिव एन अशोक कुमार ने 7 जून के नोटिस में 5 राज्यों की इंटरनेट सेव बंद करने के आदेश दिए हैं। इस लिस्ट में इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिले के नाम शामिल हैं।

आधिकारिक नोटिस के अनुसार, मणिपुर में इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर की वर्तमान कानून व्यवस्था को देखते हुए पता चला कि कई गैर-समाजिक तत्व सोशल मीडिया पर झूठी तस्वीरें, भड़काऊ भाषण और आपत्तिजनक वीडियो शेयर कर रहे हैं। इससे कानून व्यवस्था को गंभीर खतरा है।

सरकार के मुताबिक- व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स पर फेक न्यूज के कारण बड़ा खतरा उत्पन्न हो रहा है। ऐसे में मणिपुर के पांचों संवेदनशील जिलों में वीपीएन और वीसैट समेत सभी तरह की इंटरनेट सर्विस और मोबाइल डेटा सर्विर रद की जाती है। यह आदेश 7 जून की रात 11:45 बजे से लागू हो जाएगा।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा- बता दें कि मणिपुर में मैतई समूह आरंबाई टेंगोल के 5 सदस्यों की गिरफ्तारी की अफवाह उड़ाई गई, जिसके बाद इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व समेत कई जगहों पर हिंसा भड़क उठी।

भारतीय रेलवे के सहयोग से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का हुआ सफल आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिटनेस के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का 26वां संस्करण भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस आयोजन में लगभग 1000 साइक्लिस्ट और फिटनेस प्रेमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय रेलवे के विशेष सहयोग से किया गया, जिसमें रेलवे अधिकारी और खिलाड़ी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर बॉलीवुड अभिनेत्री मधुरिमा तुली को फिट इंडिया आइकन के रूप में सम्मानित किया गया। 'बेबी' फिल्म में अक्षय कुमार के साथ नजर आ चुकी मधुरिमा खुद राज्य स्तरीय ट्रैक एवं फील्ड एथलीट और हर्डल रेस धाविका रह चुकी हैं।

सम्मान मिलने पर उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। साइक्लिंग मेरा बचपन का शौक रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मोटापे से होने वाली बीमारियों को लेकर जो चिंता जताई है, वह बिल्कुल सही है। साइक्लिंग एक किफायती, स्वतंत्रता देने वाला और मानसिक रूप से सशक्त बनाने वाला माध्यम है।

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय पहलवान अनिरुद्ध कुमार और पर्वतारोही नरेंद्र कुमार भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अनिरुद्ध, जो 2024 एशियाई अंडर-23 और अंडर-17 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं, उन्होंने कहा कि साइक्लिंग से मेरी पुरानी दोस्ती है।

7 लोगों को ठगने के बाद 8वीं शादी रचाने जा रही थी लड़की, अचानक ब्यूटी पार्लर पहुंची पुलिस

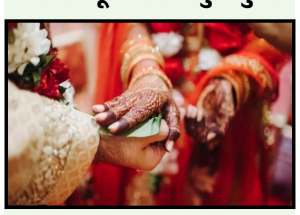

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात लोगों से शादी कर गहने लेकर भागने वाली 30 वर्षीय रेशमा चंद्रशेखरन को आठवीं शादी से कुछ घंटे पहले गिरफ्तार कर लिया गया। रेशमा का दो साल का एक बच्चा भी है।

उसे शुक्रवार को एक ब्यूटी पार्लर से गिरफ्तार किया गया, जहां आठवीं शादी की तैयारी कर रही थी। भावी दूल्हे को उसके व्यवहार पर शक होने के बाद उसने पुलिस को सूचना दी थी।

जल्द ही अदालत में किया जाएगा- पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला को जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा।

भारत को पसंद नहीं ब्रिटिश मॉडल, अमेरिका पर बनाया 10% बेसलाइन टैरिफ हटाने का दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते की दिशा में चल रही वार्ताओं में 10त्न बेसलाइन आयात शुल्क का मुद्दा सबसे प्रमुख बन गया है। यह शुल्क ट्रंप प्रशासन ने 2 अप्रैल को सभी देशों से होने वाले आयात पर लगाया था। अब भारत चाहता है कि अमेरिका इस टैरिफ को पूरी तरह खत्म करे। सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारतीय वार्ताकारों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे ब्रिटेन के मॉडल को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं हैं, जिसमें अमेरिका और यूके के बीच हुए समझौते के बावजूद ब्रिटिश वस्तुओं पर बेसलाइन शुल्क जारी है।

भारत की ओर से वार्ता में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि भारत ने अमेरिका से आग्रह किया है कि 10% बेसलाइन शुल्क के साथ-साथ 9 जुलाई से प्रस्तावित अतिरिक्त 16% शुल्क को भी पूरी तरह से हटाया जाए। उन्होंने कहा, आदर्श स्थिति में समझौता होने के बाद दोनों टैरिफ (10% और अतिरिक्त 16%) को एक साथ समाप्त किया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो भारत को भी समान और आनुपातिक टैरिफ बनाए रखने का अधिकार रहेगा।

यह बयान 13 फरवरी को वाशिंगटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी संयुक्त बयान के आधार पर दिया गया, जिसमें Mission-500 के तहत वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया था।

एक अन्य अधिकारी ने भारत के रुख को दोहराते हुए कहा कि केवल वही समझौता दीर्घकालिक टिकाऊ हो सकता है जो संतुलित और परस्पर लाभकारी हो। उन्होंने कहा, अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था। इसलिए दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत और जनस्वीकार्य होना चाहिए।

भारत का मानना है कि दोनों देशों के व्यापार हित प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं। इसलिए भारत अमेरिकी वस्तुओं के लिए अधिक बाजार पहुंच देने को तैयार है, बशर्ते अमेरिका भी उसी भावना से जवाब दे।

यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव के सहायक ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में एक अमेरिकी वार्ताकार टीम 4 जून को दिल्ली पहुंची है। यह पांचवीं बार है जब दोनों देशों के वार्ताकार आमने-सामने बातचीत कर रहे हैं। पहले यह दौरा दो दिन का माना जा रहा था, लेकिन अब यह 10 जून तक चलेगा।

कनाडा के लिए ही नासूर बने खालिस्तान समर्थक, कनाडाई पत्रकार पर किया हमला; जर्नलिस्ट बोला- अब तक कांप रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडाई खोजी पत्रकार मोचा बेजीर्गन ने बताया कि वैंकूवर शहर में खालिस्तान समर्थकों के एक जत्थे ने उन्हें घेर लिया और धमकियां दीं। यह घटना उस वक्त हुआ जब वह वीकेंड में खालिस्तान समर्थकों डाउनटाउन रैली की वीडियो बना रहे थे और तस्वीरें खींच रहे थे।

बेजीर्गन ने बताया, यह सब दो घंटे पहले हुआ और मैं अभी भी कांप रहा हूं। उन्होंने गुंडों की तरह बर्ताव किया, मुझे घेर लिया, मेरा फोन छीन लिया और रिकॉर्डिंग रोकने की कोशिश की।

उन्होंने आगे कहा कि यह सब कुछ देर के लिए हुआ, लेकिन हालात काफी डरावने थे। मोचा ने बताया कि वह इस रैली को कवर करने गए थे, जिसमें खालिस्तान समर्थक इकट्ठा हुए थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि ये लोग खुलेआम हिंसा की तारीफ कर रहे थे और भारत के खिलाफ भड़काऊ बातें कह रहे थे।

इंदिरा गांधी के हत्यारों की तारीफ करते हैं ये लोग- मोचा बेजीर्गन ने खालिस्तानी उग्रवाद पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा, कनाडा और भारत के बीच तनाव की वजह से यह मसला बहुत सियासी हो गया है, लेकिन हम जमीन पर हो रही हकीकत को नजरअंदाज़ कर रहे हैं। ये लोग खुलेआम भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारों की तारीफ कर रहे हैं। वे कहते हैं कि हम उनके वारिस हैं और उनकी तरह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सियासत को खत्म करने की बात करते हैं। मैंने उनसे पूछा कि क्या आप मोदी की सियासत को उसी तरह खत्म करेंगे, जैसे इंदिरा गांधी की सियासत खत्म की गई थी?

उन्होंने बताया कि ये लोग अपने को इंदिरा गांधी के हत्यारों का वंशज बताते हैं और हिंसा की इन हरकतों को सराहते हैं। बेजीर्गन ने कहा कि यह सब सुनकर उन्हें हैरानी हुई कि कैसे कुछ लोग आज़ादी के नाम पर हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं।

मेक्सिकन झंडा, आंसू गैस और नारेबाजी... इमिग्रेशन पर उबल रहा अमेरिकी शहर Los Angeles, ट्रंप ने भेजे हजारों सैनिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में बीते दो दिन से इमिग्रेशन रेड को लेकर प्रोटेस्ट किए जा रहे हैं। इस बीच प्रदर्शनकारियों और फेडरल एजेंट के साथ झड़प की खबरें लगातार आ रही थीं। अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2,000 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती किए जाने का ऐलान किया है। इस फैसले के बाद प्रदर्शन हिंसक होने की आशंका है।

इस प्रदर्शन की शुरूआत शुक्रवार को हुई। लोगों में ट्रंप प्रशासन के इमीग्रेशन रेड के फैसले रोष है। प्रदर्शनकारियों मेक्सिकन झंडा दिखाकर विरोध कर रहे हैं और जमकर नारेबाजी भी हो रही है।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने प्रदर्शन को लेकर ये कहा- सीएनएन की खबर के मुताबिक, इन प्रदर्शनों की शुरुआत शुक्रवार को तब हुई, जब लॉस एंजिल्स में कई लोगों को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने इसे बड़े पैमाने पर अराजकता और सैन्य कार्रवाइयों का नाम दिया है।

रक्षा विभाग ने नेशनल गार्ड को संघीय कानून प्रवर्तन की मदद के लिए सक्रिय करना शुरू कर दिया है। रक्षा सचिव पीट हेग्सेथ ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रदर्शनों को हिंसक भीड़ का हमला बताया। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शन अवैध अपराधियों को हटाने में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं।

कैलिफोर्निया के गवर्नर ट्रंप प्रशासन पर लगाए आरोप- व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह तैनाती अवैध अपराधियों के आक्रमण को रोकने के लिए जरूरी है। उन्होंने कैलिफोर्निया की डेमोक्रेटिक सरकार पर अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। लेविट ने कहा, हिंसक भीड़ ने ICE अधिकारियों और संघीय एजेंटों पर हमला किया।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का दुस्साहस भरा बयान, भारत को जल युद्ध में हराएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के हाथों न जाने कितनी बार मुंह की खाई है लेकिन अपनी करतूत और गीदड़भभकी से कभी बाज नहीं आता है। वहीं, एक बार फिर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बयान दिया है कि जिसमें कहा गया है कि इस्लामाबाद जल युद्ध में भारत को हराएगा, उनका इशारा सिंधु जल संधि को लेकर था।

भारत चिनाब का पानी जानबूझकर कंट्रोल कर रहा है- ख्वाजा आसिफ- उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि भारत चिनाब का पानी जानबूझकर कंट्रोल कर रहा है। नदी में पानी का प्रवाह जितना होना चाहिए, उससे काफी कम है। उन्होंने कहा कि भारत पारंपरिक युद्ध में पराजित हुआ था, और अब हम उसे जल युद्ध में भी हराएंगे।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान चिनाब नदी में पानी के कम प्रवाह और हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले और भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों पक्षों के बीच आधिकारिक बातचीत पूरी से बंद है। उन्होंने भारत के साथ किसी भी तरह की बैक-चैनल बातचीत से भी इनकार किया, जिससे पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति में अनिश्चितता की एक और परत जुड़ गई।

डेमोक्रेट्स की मदद की तो मस्क को भुगतने होंगे गंभीर परिणाम, पुराने दोस्त को ट्रंप की खुली धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पूर्व सहयोगी एवं उद्योगपति एलन मस्क के साथ कर कटौती एवं व्यय विधेयक को लेकर छिड़ी अपनी लड़ाई में पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

मस्क को ट्रंप ने दी धमकी- शनिवार को उन्होंने कहा कि उन्हें अपने रिश्ते को सुधारने की कोई इच्छा नहीं है। साथ ही चेतावनी दी कि अगर मस्क ने आगामी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की मदद करने की कोशिश की तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

ट्रंप ने एनबीसी की क्रिस्टन वेल्कर को फोन पर दिए साक्षात्कार में बताया कि उनका मस्क के साथ समझौता करने का कोई इरादा नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या टेस्ला और स्पेसएक्स के खरबपति सीईओ के साथ उनका रिश्ता खत्म हो गया है, ट्रंप ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि ऐसा ही है। उन्होंने आगे कहा, मैं अन्य कामों में बहुत व्यस्त हूं। आप जानते हैं, मैंने एक चुनाव में भारी जीत हासिल की। मैंने उन्हें बहुत सारे ब्रेक दिए, इससे बहुत पहले मैंने उन्हें अपने पहले प्रशासन में ब्रेक दिए और अपने पहले प्रशासन में उनकी जान बचाई।

पाकिस्तान में आतंकियों को मिलता है इनाम, थरूर ने शहबाज सरकार को फिर लताड़ा; डॉक्टर शकील की कैद पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने डॉ. शकील अफरीदी के साथ पाकिस्तान के रवैये की आलोचना की। शकील अहमद ने अल-कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को ढूंढने में और उसे मारने में अमेरिका की मदद की थी।

कांग्रेस नेता थरूर ने यह बात अमेरिकी सांसद ब्रैड शर्मन के उस पोस्ट के जवाब में कही, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान से डॉ. अफरीदी को रिहा करने की मांग की थी। शर्मन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मैंने पाकिस्तानी डेलिगेशन से कहा कि वे अपनी सरकार को डॉ. शकील अफरीदी को रिहा करने के लिए कहे, जो ओसामा बिन लादेन को पकड़ने में मदद करने की वजह से जेल में बंद हैं। डॉ. अफरीदी की रिहाई 9/11 के पीड़ितों के लिए इंसाफ का एक अहम कदम होगा।

पाकिस्तान में आतंकियों को मिलती है पनाह, सच बताने वालों को सजा - बता दें जिस वक्त भारतीय डेलिगेशन अमेरिका के वाशिंगटन में था, उस वक्त शर्मन पाकिस्तानी डेलिगेशन को वाशिंगटन में ही आईना दिखा रहे थे।

शशि थरूर ने अमेरिकी सांसद शर्मन के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, सांसद ब्रैड शर्मन का यह बयान स्वागत योग्य है। यह याद दिलाता है कि पाकिस्तान वह मुल्क है, जहां न सिर्फ आतंकी सरगना ओसामा बिन लादेन को पनाह दी गई (वह भी सेना के कैंप के पास एक सुरक्षित ठिकाने में), बल्कि उस बहादुर डॉक्टर को गिरफ्तार कर सजा दी गई, जिसने उसका ठिकाना अमेरिकियों को बताया। पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों को इनाम मिलता है और आतंकियों का पर्दाफाश करने वालों को सजा।

नासा के Future Plans पर फिरा पानी? ट्रंप को मस्क की धमकी के बाद पेंटागन और अमेरिकी खुफिया एजेंसी भी मुश्किल में फंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलन मस्क की ओर से नासा के लिए स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान के उपयोग को रोकने की धमकी अंतरिक्ष एजेंसी और पेंटागन के लिए बड़ा झटका हो सकता है। इससे एजेंसी को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाने में सक्षम इकलौता अमेरिकी वाहन से वंचित होना पड़ सकता है।

एक्स पर पोस्ट यह धमकी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बढ़ती लड़ाई के दौरान आई थी, जब ट्रंप ने मस्क की कंपनी के सभी संघीय अनुबंधों को रद करने की धमकी दी थी। हालांकि, धमकी के कई घंटे बाद मस्क ने कहा था कि ठीक है, हम ड्रैगन को बंद नहीं करेंगे।

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि स्पेसएक्स के कई संघीय कार्यक्रमों के महत्व को देखते हुए संबंधों को तोड़ना नासा के साथ-साथ पेंटागन और खुफिया एजेंसियों को भी मुश्किल में डाल सकता है। पिछले कुछ वर्षों में स्पेसएक्स संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा पेलोड को प्रक्षेपित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। नासा की प्रेस सचिव बेथनी स्टीवंस ने यह नहीं बताया कि अगर सच में मस्क ऐसा करते हैं तो नासा स्पेसएक्स के बिना अपने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन तक कैसे पहुंचाएगा।

उन्होंने केवल इतना कहा कि नासा अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए राष्ट्रपति के दृष्टिकोण पर काम करना जारी रखेगा।

इजरायल ने फलस्तीनी मुजाहिदीन कमांडर किया ढेर, 9 महीने के मासूम की हत्या का था आरोप; हमास बोला- बंधकों को मार देंगे...

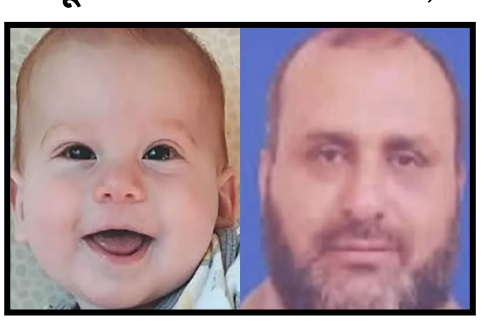

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने गाजा शहर में हमलों में फिलिस्तीनी मुजाहिदीन आंदोलन के कम से कम दो सीनियर मेंबर को मार गिराया है। इजरायली फोर्स ने कहा कि दोनों में एक कमांडर भी शामिल है। कमांडर पर 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए घातक हमले में शामिल होने का आरोप है।

IDF और शिन बेट सुरक्षा एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि मुजाहिदीन ब्रिगेड के प्रमुख असद अबू शरैया एक ज्वाइंट ऑपरेशन में मारा गया। मुजाहिदीन ब्रिगेड फिलिस्तीनी मुजाहिदीन आंदोलन की हथियारबंद शाखा है।

9 महीने के बच्चे को मारने का था आरोपी- इजरायल ने अबू शरैया पर 2023 में हमास के नेतृत्व वाले हमले में अहम भूमिका निभाने और इजरायली बंधकों के अगवा, हिरासत और हत्या में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया।

IDF के अनुसार अबू शरैया ने इजरायल के सबसे कम उम्र के बंधक कफिर बिबास के परिवार और उसकी हत्या की थी। कफिर की उम्र 9 महीने थी।

एक अलग हमले में, महमूद मुहम्मद हामिद कुहैल नामक एक अन्य आतंकवादी भी मारा गया। माना जाता है कि वह भी इजरायल में अक्टूबर 2023 में हुए हमले में शामिल था।

थाईलैंड के नागरिक का मिला शव, हमास ने किया था अगवा- समाचार एजेंसी Xinhua की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी आतंकवादी समूहों की ओर से मौतों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई।

दिल्ली, यूपी, राजस्थान को कब मिलेगी गर्मी से राहत? इन राज्यों में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इस समय तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। भीषण गर्मी के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार यानी 10 जून से दक्षिण भारत में फिर से बारिश का दौर देखने को मिल सकता है।

IMD ने बताया कि 10 जून से कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल समेत दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, उत्तर भारत में आने वाले कुछ दिनों तक हीटवेव चलेगी।

इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी- मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघायल में 11-14, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम में 10 से 13 जून तक भारी बारिश की संभावना है। वहीं, दक्षिण भारत के तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे में 10 से 14 जून, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम में 10 से 14 जून तक भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा मध्य एवं पूर्वी भारत की बात करें तो अंडामान और निकोबार, ओडिशा में 8 से 12 जून बारिश की संभावना है। वहीं, मध्य प्रदेश में 8 और 9 जून, छत्तीसगढ़ में भी 9 से 10 जून, झारखंड में 11 से 14 जून तक हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है।

इन राज्यों में हीटवेव की चेतावनी - जहां एक ओर दक्षिण भारत में लगातार बारिश हो रही है। वहीं, उत्तर भारत में फिर एक बार गर्मी से लोगों को परेशानी हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने कहा कि इस हफ्ते कई राज्यों में हीटवेव का दौर देखने को मिल सकता है। आईएमडी के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिमी राजस्थान में हीटवेव देखने को मिलेगी।

बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना बनने का शौक नहीं, ठाकरे भाईयों के बीच गठबंधन के कयासों पर बोले फडणवीस

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत एक अहम मोड़ पर पहुंच चुकी है। राज्य के राजनीतिक हलकों में जोर-शोर से चर्चा है कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे आने वाले वक्त में गठबंधन कर सकते हैं। बीते दिन शिवसेना के मुखपत्र सामना में दोनों भाईयों की तस्वीर भी छपी थी। अखबार ने उद्धव ठाकरे के बयान को हेडलाइन बनाई थी, जिसमें उन्होंने गठबंधन के कयासों को लेकर कहा गया था कि जो जनता चाहेगी वही होगा। अब इस मामले पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस का एक बयान सामने आया है।

बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना बनने का शौक नहीं- दरअसल पत्रकारों ने उनके शिवसेना UBT और रूह्स के बीच संभावित गठबंधन को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने इसपर जवाब देने से इनकार कर दिया। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मुझे बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना बनने का कोई शौक नहीं है। दोनों पार्टी हैं, दोनों भाई हैं। अगर गठबंधन हो जाएगी तो हम प्रतिक्रिया देंगे। सीएम फडणवीस ने कहा, तब तक, मीडिया को अटकलों का बाजार गर्म रखने दीजिए। मैं इस पर प्रतिक्रिया क्यों दूं? हम नहीं जानते कि उनके बीच वाकई में कितनी बातचीत हो रही है।

लाखों फैन पहुंचेंगे, बंदोबस्त करना होगा मुश्किल, पुलिस की चेतावनी के बावजूद नहीं मानी कर्नाटक सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की IPL फाइनल जीत के बाद हुए जश्न का माहौल उस वक्त मातम में बदल गया, जब रूचिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भीड़ में भगदड़ मच गई और 11 लोगों की जान चली गई।

ये हादसा 4 जून को हुआ, लेकिन अब खुलासा हुआ है कि एक सीनियर पुलिस अफसर ने इसके खतरे को पहले ही भांप लिया था और लिखित में अधिकारियों को आगाह भी किया था।

विधान सौधा पर भी खतरा था, पुलिस अफसर ने दी थी चेतावनी टाइम्स ऑफ इंडिया के खबर के मुताबिक, पुलिस अधिकारी एम.एन. करिबसवाना गौड़ा विधान सौधा की सिक्योरिटी इंचार्ज हैं। उन्होंने 4 जून को ही डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स की सचिव जी. सत्यवती को चिट्ठी लिखकर इस पूरे कार्यक्रम की सुरक्षा पर सवाल उठाए थे।

उन्होंने लिखा था, लाखों क्रिकेट फैन विधान सौधा पहुंच सकते हैं और सुरक्षा कर्मियों की कमी के चलते बंदोबस्त करना मुश्किल होगा।

गौड़ा ने न सिर्फ भीड़ के खतरे की बात कही, बल्कि इस बात का भी जिक्र किया कि विधान सौधा संवेदनशील इलाका है और वहां CCTV कवरेज भी पूरा नहीं है। बावजूद इसके कार्यक्रम को मंजूरी

राहुल गांधी ने अब तक ECI को नहीं लिखा कोई पत्र, महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग वाले बयान पर बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल हांधी ने भारतीय चुनाव आयोग को कोई पत्र नहीं लिखा और न ही मुलाकात के लिए कोई समय मांगा। चुनाव आयोग के सूत्रों ने इसका खुलासा किया है।

समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से कहा कि चुनाव आयोग समेत सभी संवैधानिक संस्थाएं आधिकारिक रूप से तभी जवाब देती, जब राहुल गांधी उन्हें पत्र लिखते। हालांकि, उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनके सारे दावे बेबुनियाद और हवा हवाई हैं।

राहुल पर उठे सवाल- सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी एक तरफ कहते हैं कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे बेहद गंभीर हैं, मगर दूसरी तरफ जब उनके सामने चुनाव आयोग से सीधे बात करने का मौका था, तो उन्होंने ऐसा नहीं किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का अपमान- चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार,कांग्रेस ने महाराष्ट्र में पोलिंग से लेकर काउंटिंग सेंटर्स पर अपने एजेंट्स नियुक्त किए थे। राहुल गांधी इस तरह के बयान देकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की भी आलोचना करते हैं, जिन्हें खुद कांग्रेस पार्टी ने ही महाराष्ट्र में नियुक्त किया था।

लाखों अधिकारियों की मेहनत का अपमान - चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा, महाराष्ट्र चुनाव के दौरान देश भर से 10.5 लाख बूथ लेवल अधिकारी, 50 लाख पोलिंग ऑफिसर और 1 लाख काउंटिंग सुपरवाइजर नियुक्त किए गए थे। राहुल गांधी ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर उन सभी की मेहनत और लगन का अपमान किया है।

सीसीटीवी फुटेज पर दिया जवाब- राहुल गांधी के सीसीटीवी फुटेज की मांग पर चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा, चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार किसी भी चुनाव का सीसीटीवी फुटेज चुनावी याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट में ही देखा जा सकता है। मतदाताओं की निजता के अधिकार की सुरक्षा करने के लिए यह नियम बनाया गया है। राहुल गांधी मतदाताओं के अधिकारों से छेड़छाड़ नहीं कर सकते हैं।

एक छोटी सी चिप बन सकती हैं कई देशों के बीच कोल्ड वॉर का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोबाइल से लेकर लैपटॉप समेत ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में सेमीकंडक्टर चिप का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप की मांग तेजी से बढ़ रही है। भारत भी सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम के तहत सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को बूस्ट देने की कोशिश कर रही है।

सेमीकंडक्टर चिप का इस्तेमाल- सेमीकंडक्टर चिप को टेक्नोलॉजीकल फ्यूल भी कहा जाता है। इसका इस्तेमाल कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। इस लिस्ट में मोबाइल, लैपटॉप, एआई, ड्राइवरलेस गाड़ियां, 5जी और 6जी नेटवर्क डिफेंस और सैटेलाइट टेक्नोलॉजी का नाम शामिल है। वहीं मॉर्डन वॉरफेयर के जमाने में ड्रोन, मिसाइल, सुपरकंप्यूटर और निगरानी सिस्टम में भी चिप का उपयोग बेहद अहम माना जाता है। सेमीकंडक्टर चिप का बाजार तेजी से तरक्की कर रहा है। बता दें कि 2019 में सेमीकंडक्टर चिप का उद्योग 35 लाख करोड़ रुपए का था, जो 2022 में बढ़कर 50 लाख करोड़ रुपए का हो गया था। 2032 तक यह बाजार बढ़कर 170 लाख करोड़ रुपए तक होने की संभावना है।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री मौजूदा समय में अमेरिका और चीन के बीच तनातनी का कारण बन गई है। चीन सेमीकंडक्टर चिप की मदद से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मिलिट्री टेक्नोलॉजी में बढ़त बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में चीन को रोकने के लिए अमेरिका ने न सिर्फ चिप्स एंड साइंस एक्ट लॉन्च किया है बल्कि चीन पर कई तरह के बैन भी लगा दिए हैं।

कहां बनती है सेमीकंडक्टर चिप- बता दें कि वर्तमान में सेमीकंडक्टर चिप अमेरिका में डिजाइन की जाती हैं। ताइवान और दक्षिण कोरिया भी बड़ी तादाद में सेमीकंडक्टर चिप बनाते हैं। हालांकि, सेमीकंडक्टर चिप की पैकेजिंग और असेंबली का काम चीन में किया जाता है। हालांकि चीन और ताइवान के बीच बढ़ते तनाव के कारण सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री पर भी खतरा मंडरा रहा है।

9 दिन में 58 मौतें... महज 16 दिन में 23 गुना बढ़ गए केस, देश में 6000 के पार हुए कोविड के मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के केस काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटों में देश में कोविड के 378 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कुल सक्रिय मामलों का आंकड़ा 6000 को पार कर गया है। पिछले 24 घंटों में कोविड के कारण 6 मौतें भी हुई हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित राज्य केरल है। केरल के बाद कोविड से अधिक मामले गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में दर्ज किए गए हैं। हालांकि विशेषज्ञों के मुताबिक, कोविड का नया वेरिएंट खतरनाक नहीं है।

22 मई को 257 केस थे- अगर पिछले 48 घंटे की बात करें, तो देश में कोविड के मामलों में 769 मरीजों की बढ़ोतरी हुई। ये सभी मामले काफी हल्के हैं और घरेलू देखभाल के तहत ही मरीज ठीक हो सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, केवल अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में कोविड का कोई भी सक्रिय मामला नहीं है।

बता दें कि 22 मई को देश में केवल 257 एक्टिव केस थे, लेकिन मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बाद अब तक संख्या 6133 तक पहुंच गई है। केंद्र सरकार ने राज्यों को ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

कोरोना की स्थिति पर हुई समीक्षा बैठक- इसके पहले स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. सुनीता शर्मा की अध्यक्षता में दो और तीन जून को तकनीकी समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। बैठक में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, आपातकालीन प्रबंधन प्रतिक्रिया (ईएमआर) प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आइडीएसपी) और दिल्ली में केंद्र सरकार के अस्पतालों के प्रतिनिधियों तथा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थदशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

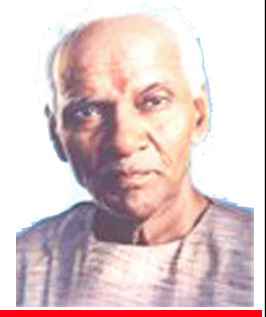

संपादकीय

दुनियाँ का हर देश अभी तक कोरोना वायरस (कोविड-19) की महामारी को भूल नहीं पाए है...

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश अभी तक कोरोना वायरस (कोविड-19) की महामारी को भूल नहीं पाए है, या यूं कहें कि संभल नहीं पाए हैं,इस बीच कोरोना महामारी के अनेक वेरिएंट आ चुके हैं,लेकिन अभी मई माह में जो फिर से कोरोना वायरस की आहट हुई है यह कोविड -19 तुल्य है,ऐसी जानकारी मीडिया में आ रही है हालांकि इसका प्रकोप भारत में तेजी से बढ़ता जा रहा है स्थिति चिंताजनक होती जा रही है क्योंकि संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी 7 जून 2025 तक क़रीब 6000 केस आ चुके हैं,जिससे शासन प्रशासन स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गए हैं, हालांकि सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की इस बढ़ते संक्रमण को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग बुलाई थी जिसमें एनसीडीसी, आईसीएमआर, डिसास्टर मैनेजमेंट सेल और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों ने भाग लिया, मीटिंग के बाद अधिकारियों ने बताया कि देश में कोविड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।भारत का इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम और आईसीएमआर के नेतृत्व में चल रहे जीनोम सीक्वेंसिंग कार्यक्रम लगातार कोरोना और अन्य श्वसन संक्रमणों पर नजर बनाए हुए हैं। मंत्रालय ने साफ किया है कि फिलहाल यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन सतर्कता ज़रूरी है। देश की स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए तैयार है, बता दे जिनेवा में विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व स्वास्थ्य सभा के 78 वें सत्र में सभा के सभी सदस्यों की आपसी 3 वर्षों की बातचीत के उपरांतभविष्य की महामारी में मिलकर तैयारी करने का समझौता होगया है, जो रेखांकित करने वाली बात है मेरा मानना है कि अब पूरी दुनियाँ की कोई भी महामारी आ जाए तो अगर पूरा विश्व एक साथ एक दूसरे का सहयोग कर उसका मुकाबला करेगा तो वह कोविड- 19 जैसी किसी भी महामारी का गंभीरता से मुकाबला करेगा तो उस महामारी को मैदान छोड़कर भागना ही पड़ेगा, यह होता है एक और एक 11 की ताकत का सटीक कमाल! चूँकि कोरोना वायरस (कोविड-19) जून 2025- कोरोना के आंकड़ों ने चौंकाया -एक्शन में भारत शासन प्रशासन आम जनता के सहयोग की मज़बूत चैन अति आवश्यक है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इसआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वैश्विक स्तरपर मास्क सैनिटाइजर की फिर आदत फ़िर डालना,भीड़भाड़ वाली जगह व किसी भी अपवाह या डर का शिकार न होना सभी के लिए प्राथमिकता से अत्यंत ही जरूरी है।

साथियों बात अगर हम कोविड -19 महामारी के भारत में पैर पसारने की करें तो, देशभर में एक बार फिर से कोरोना संक्रमण के मामले तेज़ी बढ़ने लगे हैं, कई राज्यों में एक्टिव केस की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में नए मरीज सामने आए हैं, शनिवार सुबह तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक्टिव मामलों की संख्या 5755 पहुंच गई है,बीते 24 घंटों में 391 नए मामले सामने आए हैं और चार लोगों की मौत हुई है- जिनमें से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु के लोग शामिल हैं।

महाराष्ट्र में कोरोना के 86 नए पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं, राज्य में इस समय कुल 595 एक्टिव केस हैं, वहीं आज 749 मरीजों ने संक्रमण से पूरी तरह उबर कर रिकवरी दर्ज की है।उत्तराखंड में आज 3 नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई है।

बिरसा मुंडा

बिरसा मुंडा एक आदिवासी नेता और लोकनायक थे। ये मुंडा जाति से सम्बन्धित थे। वर्तमान भारत में रांची और सिंहभूमि के आदिवासी बिरसा मुंडा को अब बिरसा भगवान कहकर याद करते हैं। मुंडा आदिवासियों को अंग्रेज़ों के दमन के विरुद्ध खड़ा करके बिरसा मुंडा ने यह सम्मान अर्जित किया था। 19वीं सदी में बिरसा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक मुख्य कड़ी साबित हुए थे।

जन्म तथा शिक्षा

बिरसा मुंडा का जन्म 1875 ई. में झारखण्ड राज्य के राँची में हुआ था। उनके पिता, चाचा, ताऊ सभी ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था। बिरसा के पिता सुगना मुंडा जर्मन धर्म प्रचारकों के सहयोगी थे। बिरसा का बचपन अपने घर में, ननिहाल में और मौसी की ससुराल में बकरियों को चराते हुए बीता। बाद में उन्होंने कुछ दिन तक चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल में शिक्षा ग्रहण की। परन्तु स्कूलों में उनकी आदिवासी संस्कृति का जो उपहास किया जाता था, वह बिरसा को सहन नहीं हुआ। इस पर उन्होंने भी पादरियों का और उनके धर्म का भी मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। फिर क्या था। ईसाई धर्म प्रचारकों ने उन्हें स्कूल से निकाल दिया।

लोगों का विश्वास

इसके बाद बिरसा के जीवन में एक नया मोड़ आया। उनका स्वामी आनन्द पाण्डे से सम्पर्क हो गया और उन्हें हिन्दू धर्म तथा महाभारत के पात्रों का परिचय मिला। यह कहा जाता है कि 1895 में कुछ ऐसी आलौकिक घटनाएँ घटीं, जिनके कारण लोग बिरसा को भगवान का अवतार मानने लगे। लोगों में यह विश्वास दृढ़ हो गया कि बिरसा के स्पर्श मात्र से ही रोग दूर हो जाते हैं।

प्रभाव में वृद्धि

जन-सामान्य का बिरसा में काफ़ी दृढ़ विश्वास हो चुका था, इससे बिरसा को अपने प्रभाव में वृद्धि करने में मदद मिली। लोग उनकी बातें सुनने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र होने लगे। बिरसा ने पुराने अंधविश्वासों का खंडन किया। लोगों को हिंसा और मादक पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी। उनकी बातों का प्रभाव यह पड़ा कि ईसाई धर्म स्वीकार करने वालों की संख्या तेज़ीसे घटने लगी और जो मुंडा ईसाई बन गये थे, वे फिर से अपने पुराने धर्म में लौटने लगे।

गिरफ़्तारी

बिरसा मुंडा ने किसानों का शोषण करने वाले ज़मींदारों के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा भी लोगों को दी। यह देखकर ब्रिटिश सरकार ने उन्हें लोगों की भीड़ जमा करने से रोका। बिरसा का कहना था कि मैं तो अपनी जाति को अपना धर्म सिखा रहा हूँ। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ़्तार करने का प्रयत्न किया, लेकिन गांव वालों ने उन्हें छुड़ा लिया। शीघ्र ही वे फिर गिरफ़्तार करके दो वर्ष के लिए हज़ारीबाग़ जेल में डाल दिये गये। बाद में उन्हें इस चेतावनी के साथ छोड़ा गया कि वे कोई प्रचार नहीं करेंगे।

संगठन का निर्माण

परन्तु बिरसा कहाँ मानने वाले थे। छूटने के बाद उन्होंने अपने अनुयायियों के दो दल बनाए। एक दल मुंडा धर्म का प्रचार करने लगा और दूसरा राजनीतिक कार्य करने लगा। नए युवक भी भर्ती किये गए। इस पर सरकार ने फिर उनकी गिरफ़्तारी का वारंट निकाला, किन्तु बिरसा मुंडा पकड़ में नहीं आये। इस बार का आन्दोलन बलपूर्वक सत्ता पर अधिकार के उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ा। यूरोपीय अधिकारियों और पादरियों को हटाकर उनके स्थान पर बिरसा के नेतृत्व में नये राज्य की स्थापना का निश्चय किया गया।

शहादत

24 दिसम्बर, 1899 को यह आन्दोलन आरम्भ हुआ। तीरों से पुलिस थानों पर आक्रमण करके उनमें आग लगा दी गई। सेना से भी सीधी मुठभेड़ हुई, किन्तु तीर कमान गोलियों का सामना नहीं कर पाये। बिरसा मुंडा के साथी बड़ी संख्या में मारे गए।

उनकी जाति के ही दो व्यक्तियों ने धन के लालच में बिरसा मुंडा को गिरफ़्तार करा दिया। 9 जून, 1900 ई. को जेल में उनकी मृत्यु हो गई। शायद उन्हें विष दे दिया गया था। लेकिन लोक गीतों और जातीय साहित्य में बिरसा मुंडा आज भी जीवित हैं।

विद्रोह में भागीदारी और अंत

मिशनरीओ ने छोटा नागपुर पठार के क्षेत्र में आदिवासी धर्मांतरण का जो सपना 19 वीं सदी में देखा था, उसमें बिरसा मुंडा सबसे बड़े बाधक बने। षड्यंत्र कर 3 मार्च को बिरसा मुंडा को पकड़ लिया गया। इसमें उनके किसी अपने ने ही 500 रुपये के लालच में उनके गुप्त ठिकाने के बारे में प्रसाशन को सबकुछ बता दिया। उनके साथ पकड़े गए लगभग 400 लोगों को कई धारा के अंतर्गत दोषी बनाया गया।

बिरसा पकड़े गए किंतु मई मास के अंतिम सप्ताह तक बिरसा और अन्य मुंडा वीरों के विरुद्ध केस तैयार नहीं हुआ था। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की बहुत सी धाराओं में मुंडा पकड़े गया थे, लेकिन बिरसा जानते थे कि उन्हें सजा नहीं होगी। 9 जून की सुबह सुबह उन्हें उल्टियाँ होने लगी, कुछ ही क्षण में वो बंदीगृह में अचेत हो गए। डॉक्टर को बुलाया गया उसने बिरसा मुंडा की नाड़ी देखी, वो बंद हो चुकी थी।

इतिहासकार कहते हैं कि अंग्रेज जानते थे कि बिरसा मुंडा कुछ ही दिनों में छूट जाएंगे, क्यों कि उनपर लगाई गई धाराओं के अंतर्गत उनके ऊपर दोष साबित नहीं किया जा सकता। वो ये भी जानते थे कि बिरसा मुंडा छूटने के बाद विद्रोह को वृहद रूप देंगे और तब यह अंग्रेजों के लिए और घातक होगा। इसलिए उन्होंने उनके दातुन/पानी मे विषैला पदार्थ मिला दिया।

आज भी बिहार, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुंडा को भगवान की तरह पूजा जाता है।

बिरसा मुंडा की समाधि राँची में कोकर के निकट डिस्टिलरी पुल के पास स्थित है। वहीं उनका स्टेच्यू भी लगा है। उनकी स्मृति में राँची में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार तथा बिरसा मुंडा अंतर्राष्ट्रीय विमानक्षेत्र भी है।[6] 10 नवंबर 2021 को भारत सरकार ने 15 नवंबर यानी बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

जनजातीय गौरव दिवस

भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 10 नवंबर 2021 को आयोजित बैठक में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को ÷जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया है।इस दिन को भारत के एक वीर स्वतंत्रता सेनानी को याद किया जाता है। आज के मुंडा समुदाय के लोग जब भी कोई काम प्रारंभ करते हैं तो वह बिरसा मुंडा प्रारंभ करते हैं तो वह बिरसा मुंडा को याद और उनके बताए गए उपदेशों का पालन करते हैं जिससे उन्हें बहुत सहायता मिलती है आज बिरसा मुंडा का नाम पूरे भारत में प्रसिद्ध है

बिरसा मुंडा अमर हो गए।

1900ई को बिरसा मुंडा को गिरफ्तार कर लिया गया और रांची जेल में बिरसा की मृत्यु हैजे से हो गयी बिरसा मरे नहीं, अपितु अमर हो गए। जब जब आदिवासी विद्रोह के बारे में हम बात करेंगे, बिरसा मुंडा का नाम प्रथम पंक्ति में लिया जाएगा।

दुनिया में 12.5 करोड़ गरीब बढ़े, लेकिन भारत में एक दशक में 80 फीसदी कम हो गई चरम गरीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते एक दशक के दौरान भारत में चरम गरीबी की दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। विश्व बैंक की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में चरम गरीबी दर 2011-12 के 27.1 फीसदी से गिरकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत पर पहुंच गई।

विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 2011-12 में देश में 34.45 करोड़ लोग चरम गरीबी में जीवनयापन कर रहे थे, जो 2022-23 में घटकर 7.52 करोड़ रह गए। इस प्रकार पिछले 11 वर्षों में लगभग 26.9 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं।

विश्व बैंक ने 3 डॉलर प्रतिदन (2021 कीमतों पर) की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर यह आकलन किया है। 2.15 डॉलर प्रतिदिन (2017 कीमतों पर) की पुरानी गरीबी रेखा के मानक पर देखें तो भारत में चरम गरीबी दर 2011-12 के 16.2 प्रतिशत से गिरकर 2022-23 में 2.3 प्रतिशत रह गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में चरम गरीबी दर 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हुई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 10.7 प्रतिशत से गिरकर 1.1 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के मामले में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 2005-06 में यह 53.8 फीसदी था, जो 2019-21 में घटकर 16.4 फीसदी और 2022-23 में 15.5 फीसदी रह गया।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने गरीबी को समाप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 2011-12 में इन राज्यों में देश की कुल गरीब आबादी का 65 प्रतिशत हिस्सा रहता था। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, विश्व बैंक ने वैश्विक गरीबी के आकलन में बदलाव करते हुए अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा को 2.15 डॉलर प्रति दिन से बढ़ाकर 3 डॉलर प्रति दिन कर दिया गया है। इस बदलाव के कारण दुनिया भर में चरम गरीबों की संख्या में 12.5 करोड़ की वृद्धि हो गई। लेकिन, भारत इस मामले में एक सकारात्मक अपवाद साबित हुआ।

केंद्र सरकार ने इस उपलब्धि को अपने सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी नीतियों का परिणाम बताया है।

विजय माल्या आज भी जीते हैं लैविश लाइफ! 14000 करोड़ की वसूली के बाद भी ऐसी है लाइफस्टाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 17 भारतीय बैंकों का अरबों डॉलर लेकर लंदन भागे कारोबारी विजय माल्या ने 9 साल बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक यूट्यूब चैनल पर चार घंटे के इंटरव्यू में उन्होंने बैंकों से लिए गए लोन, भगोड़े और चोर करार दिए जाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने किंगफिशर एयरलाइंस के पतन से लेकर भारत से अपने जाने तक की कहानियां साझा कीं। आइए जानते हैं विजय माल्या के पास कितनी है संपत्ति और कैसी है उनकी लाइफटास्टल-

कितनी है माल्या की संपत्ति- किंगफिशर एयरलाइंस के मालिक विजय माल्या, जिन्होंने कभी करोड़ों का कारोबारी साम्राज्य चलाया था। हाल के सालों में उनकी कुल संपत्ति में कमी देखी गई। 28 साल की उम्र में यूनाइटेड ब्रुअरीज ग्रुप के चेयरमैन की भूमिका निभाने के बाद, शराब के इस दिग्गज ने विमानन, पेय पदार्थ और रियल एस्टेट सहित विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार किया। फोर्ब्स के अनुसार, 2013 में उनकी अनुमानित कुल संपत्ति लगभग 750 मिलियन डॉलर थी। इस बीच, इंडिपेंडेंट यूके के अनुसार, विजय माल्या की नवीनतम नेटवर्थ रिपोर्ट जुलाई 2022 की है, जब यह लगभग 1.2 बिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाया गया था।

इंटरव्यू में माल्या ने दावा किया कि वह भारत से भागा नहीं बल्कि उसने अरुण जेटली को लंदन की अपनी यात्रा के बारे में बताया था।

क्या होता है कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट, इसमें क्यों मिलता है बैंक स्नष्ट से ज्यादा ब्याज? पैसा लगाने से पहले जरूर जानिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट, स्थिर रिटर्न और सुरक्षित निवेश का एक पसंदीदा विकल्प है। लेकिन, क्या आप जानते हैं एफडी भी दो तरह की होती है, पहली बैंक एफडी तो दूसरी कंपनी/कॉरपोरेट एफडी है। ज्यादातर लोग बैंक एफडी के बारे में ही जानते हैं, और कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट से अनजान हैं। दरअसल, बैंक एफडी और कंपनी एफडी या कॉर्पोरेट एफडी, दोनों ही एक निश्चित अवधि में तय ब्याज देते हैं, लेकिन रिस्क और रिटर्न के मामले में दोनों में बड़ा अंतर है।

क्या होती कंपनी एफडी- कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट, जिसे कॉर्पोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट भी कहा जाता है। यह एफडी, नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों द्वारा इश्यू की जाती है, और इसका उद्देश्य जनता से धन जुटाने के लिए किया जाता है।

कंपनी एफडी की अवधि भी बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह रहती है, और ब्याज की दर निश्चित रहती है, लेकिन इंटरेस्ट रेट ज्यादा होता है। चूंकि, कंपनी एफडी में ब्याज की दरें, बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा होती है इसलिए निवशकों के बीच ज्यादा लोकप्रिय हो रही है।

कंपनी एफडी में ब्याज ज्यादा मिलता है इसलिए रिस्क भी उतना ही होता है। दरअसल, सीएफडी में बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह इंश्योरेंस और लोन गारंटी कॉरपोरेशन द्वारा सुरक्षा कवर नहीं मिलता है।

कैसे करें कंपनी एफडी में निवेश- चूंकि, कंपनी या कॉरपोरेट एफडी में DICGC से रिस्क कवर नहीं मिलता है इसलिए इनमें निवेश करने से पहले एनबीएफसी या एफडी जारी करने वाली कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर देखनी चाहिए। कंपनी की विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए समय पर कंपनी के ट्रैक रिकॉर्ड की जांच करें, जिसमें उसके पुर्नभुगतान की को देखें।

कॉरपोरेट एफडी में ब्याज की दरें- कंपनी या कॉरपोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट में ब्याज की दरें 8.50 से 9 फीसदी तक रही है। हालांकि, इनमें समय-समय पर परिवर्तन होता रहता है।

इस छोटकू कंपनी को मिला मुकेश अंबानी से मेगा ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉल-कैप स्टॉक एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर फोकस में रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी को एक बड़ा ऑर्डर मिला है और यह ऑर्डर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से मिला है। कंपनी ने कहा है कि उसे आरआईएल से गुजरात के दहेज में विनाइल परियोजनाओं से संबंधित निर्माण कार्य के लिए ऑर्डर मिला है। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 2त्न से अधिक चढ़कर 435 रुपये पर बंद हुए थे।

क्या है डिटेल- शनिवार, 7 जून को एक्सचेंज फाइलिंग में, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को गुजरात के दहेज में विनाइल परियोजनाओं से संबंधित निर्माण कार्यों के निष्पादन के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से लेटर ऑफ अवार्ड दिया गया है। वर्क ऑर्डर के दायरे में सिविल, मैकेनिकल और इंस्टॉलेशन, परीक्षण और कमीशनिंग कार्यों के साथ संबंधित कार्य शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि जीएसटी को छोड़कर अनुबंध का अनुमानित कीमत 700 करोड़ है। बता दें कि एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर शापूरजी पल्लोनजी समूह की प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग और निर्माण कंपनी है।

आम के शौकीनों के लिए खास खबर; अल्फांसो नहीं रहा भारतीय आमों का राजा

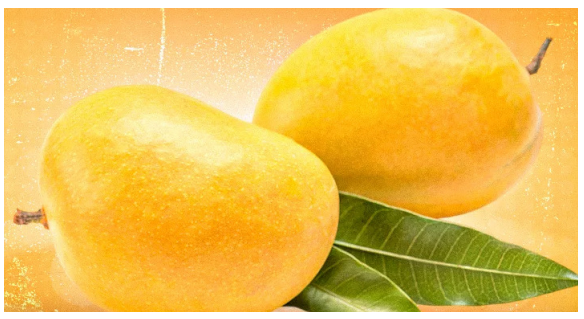

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय आम देश ही नहीं दुनियाभर में पसंद किए जाते हैं। महाराष्ट्र में होने वाला अल्फांसो आम पूरी दुनिया में भारतीय आमों का पोस्टर बॉय रहा है। वजह, ये दशकों से सबसे ज्यादा निर्यात किया जाने वाले आम था। हालांकि, अब आम की एक गुजराती वैरायटी ने अल्फांसो को पीछे छोड़ दिया है।

निर्यात के मामले में अल्फांसो को पीछे छोड़ने वाला आम केसर है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से 8.56 मिलियन डॉलर मूल्य के अल्फांसो आम का निर्यात हुआ। इसकी तुलना में केसर आम का निर्यात 11.48 मिलियन डॉलर रहा। तीन साल पहले तक यह तस्वीर बिल्कुल विपरीत थी।

कहां-कहां होता है भारतीय आमों का निर्यात- भारत से आमों का निर्यात मुख्य रूप से अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कनाडा, जर्मनी, कुवैत, ओमान, यमन और नीदरलैंड आदि देशों को होता है।

वित्त वर्ष 2022 में 10.12 मिलियन डॉलर मूल्य के अल्फांसो आम का निर्यात हुआ था, जबकि केसर का निर्यात 6.93 मिलियन डॉलर का था। ये आंकड़े साफ-साफ बता रहे हैं कि अल्फांसो की जगह अब आयातक केसर को पसंद कर रहे हैं। ट्रेडर्स की मानें तो केसर ही नहीं, भारत से दशहरी, चौसा, तोतापरी आदि आमों की भी बिक्री बढ़ रही है।

दरअसल, कुछ साल पहले तक भारत से सिर्फ अल्फांसो आम के निर्यात की ही अनुमति थी। निर्यात के लिए आवश्यक मानकों का पालन न करने की वजह से अन्य वैरायटी के आम निर्यात नहीं हो पाते थे। लेकिन हाल के वर्षों में इन मानकों को अपनाने के बाद अन्य आमों को भी निर्यात की मंजूरी मिल गई।

केसर, दशहरी, चौसा, तोतापरी आदि आमों के भाव अल्फांसो की तुलना में काफी कम होते हैं। इसलिए अब जब इनका भी निर्यात होने लगा है तो आयातक इन आमों को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं।

भारत में आम उगाने वाले प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल हैं।भारत दुनिया के 40% आमों का उत्पादन करता है, जो किसी भी देश से सबसे ज़्यादा है। हालांकि, इसमें से ज्यादातर आमों की खपत देश में ही हो जाती है।

1 पर 7 शेयर फ्री देगी यह कंपनी, साथ ही डिविडेंड का भी ऐलान, जुलाई में रिकॉर्ड डेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैक्सटाइल सेक्टर की कंपनी शाइन फैशन (इंडिया) के शेयर आने वाले दिनों में लगातार फोकस में रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी ने अपने शेयरहोल्डर्स के लिए बोनस शेयर और डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 3त्न से अधिक चढ़कर 378 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। कंपनी ने 6 जून को 7:1 के रेशियो में बोनस शेयर देने का ऐलान किया है और इसके लिए रिकॉर्ड डेट की घोषणा की है। रिकॉर्ड डेट 4 जुलाई 2025 तय की गई है। इसका मतलब है कि अगर आपके पास रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के 1 शेयर हैं तो आपको 7 शेयर अतिरिक्त मिलेंगे।

Shine Fashions (India) अपने निवेशकों के लिए डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने हर शेयर पर 0.125 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। इसके लिए भी रिकॉर्ड डेट 4 जुलाई तय की है। बता दें कि कंपनी के शेयर पिछले पांच दिन में म्यूट रिटर्न दिया है। महीनेभर में यह शेयर 10त्न और सालभर में यह शेयर 110त्न तक चढ़ गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

गेहूं की खरीद का भुगतान नहीं होने पर भड़के किसान, हाईवे किया जाम...घंटों फंसे रहे वाहन

सतना/मैहर। रबि सीजन की खरीदी समाप्त होने व खरीफ की खरीदी प्रांरभ होने के बाद भी सरकार को गेहूं बेचाने वाले 70 से अधिक किसानों का एक करोड़ बीस लाख रुपए उपज मूल्य का भुगतान नहीं होने से नाराज अन्नदाताओं ने रविवार को रीवा-शहडोल मार्ग पर बूढ़ाबाउर हाईवे में बीचों-बीच ट्रैक्टर खड़ाकर हाईवे जाम कर दिया। जिसकी जानकारी लगते ही सबसे पहले रामनगर थाना प्रभारी टीकाराम कुर्मी पुलिस जवानों के साथ मौका स्थल पर पहुंचकर किसानों को समझाने का प्रयास करने लगे। लेकिन किसान अपने भुगतान कराने कि जिद पर ही अड़े रहे।किसानों की फसलों का नहीं हुआ भुगतान

मैहर जिले में रामनगर तहसील के मनकीसर धान खरीदी केंद्र में किसानों ने अपना गेहूं समर्थन मूल्य पर विक्रय किया था। लेकिन उसका आज तक भुगतान नहीं होने पर जिला प्रशासन से अपने उपज का मूल्य दिलाने की गुहार लगाई। लेकिन भुगतान नहीं होने की स्थिति में नाराज किसानों ने रविवार को हल्ला बोल दिया और रामनगर थाना क्षेत्र की मर्यादपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत रीवा-शहडोल हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जानकारी के अनुसार, करीब 42 सौ क्विंटल धान कमी होने पर इस मामले में जिला प्रशासन ने समिति प्रबंधक, सुपरवाइजर समेत ऑपरेटर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

दोनों ओर से फंसे रहे वाहन

चक्का जाम करने के किसानों ने हाईवे के दोनों ओर बीचों-बीच ट्रैक्टर खड़ा कर पूरा रास्ता जाम कर दिया था। जिससे निर्मित चक्का जाम कि स्थिति में सड़क के दोनों ओर कई वाहन फंसे रहे और रीवा से शहडोल जाने वाले व शहडोल की ओर से रीवा जाने वाले दोनों राहगीर घंटो जाम पर फंसे रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फूड इंस्पेक्टर बृजेंद्र जडय़िा, तहसीलदार रोशन रावत, ललित धार्वे और थाना प्रभारी टीकाराम कुर्मी सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और अधिकारी किसानों को समझाने का प्रयास किया।

लिखित में लिया आश्वासन तो शांत हुए किसान

नाराज किसानों को समझाने पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी जब किसानों को नहीं मना पाए तो उन्होंने सभी किसानों को लिखित में अपना आश्वासन पत्र दिया। तब कहीं जाकर नाराज व शासन-प्रशासन से गुस्सासएं किसानों ने हाईवे का चक्का जाम खुलने दिया। इस दौरान मौके पर मौजूद व्हीके मिश्रा, उपायुक्त सहकारिता मैहर, बृजेन्द्र जडिय़ा सहायक आपूर्ति अधिकारी रामनगर, डीएम गुप्ता जिला प्रबंधक नान, सुरेश साकेत प्रशासक श्रीपैक्स जरौहा एवं शाखा प्रबंधक डीसीसीबी रामनगर एवं एल सी सोनकर सहकारिता विस्तार अधिकारी रामनगर ने अपने हस्ताक्षर में लिखित आश्वासन पत्र देते हुए किसानों को आगामी पंद्रह दिनों के भीतर किसानों के लंबित भुगतान के संबंध में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर भुगतान कराने का प्रयास करेगें।

गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए पंचायत की अनोखी पहल, पकड़े गए तो लगेगा तगड़ा जुर्माना

बालाघाट। घने जंगल के बीच बसे ग्राम गोदरी की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है, यही कारण है कि यहां वर्षभर पर्यटक आते हैं। आय का जरिया बढ़ाने के लिए गांव में धड़ल्ले से अंग्रेजी व कच्ची शराब बेची जाती है। यहां नशामुक्ति के लिए ग्रामीणों ने पहल की है। शराब बनाने व बेचने पर अंकुश लगाने के लिए ग्रामीणों ने पूर्ण रूप से शराबबंदी करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर ग्राम पंचायत में प्रस्ताव भी स्वीकृत हो चुका है।शराब बनाने, बेचने और पीने पर लगेगा जुर्माना

सरपंच तनुजा गढ़पाले ने बताया कि गांव में शराब बनाने वाले, उसका विक्रय करने वालों पर 50 हजार रुपये जुर्माना लगाने का प्रविधान किया गया है। शराब पीते हुए पाए जाने पर 25 हजार रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा। इतना ही नहीं, शराब बनाने व विक्रय करने वालों का नाम व पता बताने पर पांच हजार रुपये का इनाम भी दिया जाएगा। इसी तरह जुआ खेलते पकड़े जाने पर 30 हजार रुपये का जुर्माना तय किया गया है।

युवा पीढ़ी को नशे से बचाना मकसद

ग्रामीणों का कहना है कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए सामूहिक निर्णय लिया गया है। शराबखोरी के कारण गांव में आने वाले पर्यटकों के साथ अक्सर अशोभनीय घटनाएं होती रहती हैं, जिससे पर्यटन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इतना ही नहीं शराबखोरी के कारण गांव में झगड़े, महिलाओं-युवतियों के साथ छेड़छाड़, अभद्रता की घटनाएं भी होती हैं।

पंचायत ने सर्वसम्मति से पास किया प्रस्ताव

गोदरी के पंचायत सचिव बलराम कांवरे ने कहा कि ग्राम पंचायत गोदरी चार गांव की पंचायत है, यहां बढ़ती शराब की बिक्री पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के लिए ग्राम पंचायत में बैठक का आयोजन कर सर्वसम्मति से शराबबंदी का प्रस्ताव पास किया है, और समिति के माध्यम लगातार काम करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रयास को जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन से सहयोग मिलेगा तो और भी सफलता मिल सकेगी।

सीएम मोहन यादव के घर फिर से गूंजेगी शहनाई, छोटे बेटे ने की सगाई

भोपाल। भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास में सोमवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे सुपुत्र डॉ. अभिमन्यु यादव (मास्टर्स इन सर्जरी) की सगाई खरगौन के सेल्दा निवासी श्री दिनेश यादव (पटेल) की सुपुत्री डॉ. इशिता (एमबीबीएस) से पारिवारिक एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुई।

सगाई समारोह में दोनों परिवारों के करीबी रिश्तेदार, राज्य सरकार के मंत्रीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। पूजन के बाद दोनों ने अंगूठी पहनाकर जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की। डॉक्टर अभिमन्यु एक प्रतिभाशाली चिकित्सक एवं सक्रिय समाजसेवी हैं, वहीं डॉ. इशिता भी चिकित्सा क्षेत्र में सेवाएं दे रही हैं।

पुलिस भर्ती में फर्जीवाड़े का भंडाफोड़, साल्वर गैंग के 11 लोगों को किया गिरफ्तार

श्योपुर। मध्य प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2023 में फर्जीवाड़े का एक बड़ा नेटवर्क सामने आया है। श्योपुर पुलिस की रिमांड में पकड़े गए बिहार निवासी साल्वर रंजन कुमार ने खुलासा किया है कि इस फर्जीवाड़े में वह अकेला नहीं, बल्कि बिहार, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत अन्य राज्यों के कई साल्वर शामिल हैं। रंजन ने बताया कि करीब एक दर्जन साल्वर मप्र पुलिस भर्ती परीक्षा में दूसरों की जगह बैठकर परीक्षा दे रहे थे।एमपी पुलिस भर्ती घोटाला

रंजन कुमार बिहार में ग्रेड-2 का शिक्षक है और उसकी पत्नी भी शिक्षिका है। उसने खुद कबूला कि उसने अकेले 10 अभ्यर्थियों की परीक्षा दी, जबकि अन्य साल्वरों ने भी 30 से 40 अभ्यर्थियों की परीक्षा दी थी। इनमें से कई उम्मीदवार अब एमपी पुलिस में आरक्षक के रूप में जॉइन भी कर चुके हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इन सभी की जांच शुरू कर दी है।फर्जी पहचान बताकर दी परीक्षा

श्योपुर एसपी वीरेंद्र जैन ने बताया कि यह इंटरस्टेट साल्वर गैंग है, जिसका नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ है। अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और कई अन्य की गिरफ्तारी जल्द हो सकती है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि परीक्षा ऑनलाइन होने की वजह से साल्वर लंबे समय तक एक ही स्थान पर रुके रहे और फर्जी पहचान का उपयोग कर परीक्षा दी। पुलिस ने पैसे के लेनदेन में शामिल एक दलाल लालू रावत के खिलाफ भी केस दर्ज किया है, जो मुरैना जिले का निवासी है। वह उम्मीदवारों और साल्वरों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था। रंजन के साथ अन्य दो साल्वर गणेश रावत और सतेंद्र भी इस रैकेट का हिस्सा हैं। गणेश ने लगभग 10 और सतेंद्र ने 6 अभ्यर्थियों की परीक्षा दी थी।जांच में आए फर्जीवाड़े के मामले

जांच में यह भी सामने आया है कि इस फर्जीवाड़े का तंत्र काफी संगठित था। अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर उनकी जगह साल्वर को परीक्षा में बैठाया जाता था। ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली के बावजूद यह घोटाला होना, सिस्टम की खामियों की ओर इशारा करता है।

श्योपुर जिले को इस भर्ती में कुल 23 आरक्षक मिले हैं, जिनमें से कई के दस्तावेज और परीक्षा रिकॉर्ड अब दोबारा जांचे जा रहे हैं। एसपी वीरेंद्र जैन का कहना है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चंगेज खान के देश जाएगा बुद्ध शिष्यों का धातु कलश, 73 साल में दूसरी बार होगा सांची से बाहर

भोपाल। विश्व धरोहर सांची स्थित चेतियागिरि विहार से गौतम बुद्ध के परम शिष्यों सारिपुत्र और महामोग्गलायन के पवित्र अस्थि कलश (धातु कलश) को अब 15 दिन के लिए मंगोलिया भेजा जाएगा। यह कदम भारत सरकार के सांस्कृतिक मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बौद्ध धर्म से जुड़े देशों के साथ संबंधों को मजबूत करना है। यह 73 वर्षों में दूसरी बार होगा जब ये कलश सांची से बाहर ले जाए जाएंगे।मंगोलिया में होता है तिब्बती बौद्ध परंपरा का पालन ध्यान देने वाली बात यह है कि मंगोलिया, जो कभी चंगेज खान के साम्राज्य का केंद्र रहा था, आज तिब्बती बौद्ध परंपरा का पालन करता है। ऐसे में इन पवित्र अवशेषों का वहां पहुंचना बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। मिशन की तैयारियां विदेश मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के समन्वय में चल रही हैं। संस्कृति मंत्रालय ने मध्य प्रदेश सरकार से इस योजना को लागू करने में सहयोग मांगा है। रायसेन जिला प्रशासन को इस कार्य का जिम्मा सौंपा गया है। प्रशासन ने सांची स्थित महाबोधि सोसायटी से विधिवत अनुमति ली है।कलश को धार्मिक विधि-विधान से किया जाएगा विदा महाबोधि सोसायटी ऑफ सांची के भिक्षु इंचार्ज स्वामी विमल तिस्स थेरो ने बताया कि उन्होंने धातु कलश को मंगोलिया भेजने की सहमति दे दी है। जिला प्रशासन के अनुसार, जैसे ही संस्कृति विभाग अंतिम यात्रा की व्यवस्था कर लेगा, कलश को पूरे धार्मिक विधि-विधान से विदा किया जाएगा। यात्रा के दौरान सांची से कुछ भिक्षु भी साथ जाएंगे, ताकि प्रतिदिन पूजन और परंपरा अनुसार सम्मान बना रहे। इन पवित्र अवशेषों की खोज 1851 में जनरल कनिंघम ने सांची स्तूप नंबर 3 की खुदाई के दौरान की थी। आजादी से पहले ये अवशेष ब्रिटेन में रहे, लेकिन 30 नवंबर 1952 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की उपस्थिति में इन्हें चेतियागिरि विहार में स्थापित किया गया।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को नगदी रहित उपचार 'कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम- 2025' लागू

इंदौर के सभी अस्पतालों में सड़क दुर्घटना में घायलों का होगा डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज

इंदौर। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित और निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम-2025' लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत अब सड़क दुर्घटनाओं में घायल किसी भी व्यक्ति का इलाज इंदौर के अस्पतालों में नगदी रहित (कैशलेस) रूप से किया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा डेढ़ लाख रुपये तक होगी।

इस क्रम में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज जिले के अस्पताल संचालकों की बैठक लेकर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायल सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी अस्पताल तीन दिन में अपना पंजीयन करा लेवें। उन्होंने अस्पताल संचालकों से आग्रह किया कि वे स्कीम के तहत चिन्हित प्रक्रिया का पालन करें तथा जिला सड़क सुरक्षा समिति के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। सभी संबंधित विभागों, अस्पतालों एवं संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे 'कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम' का पालन सुनिश्चित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में घायल प्रत्येक व्यक्ति को शीघ्र और समुचित उपचार उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि घायलों का समय पर इलाज और मदद देना राज्य शासन की प्राथमिकता है। केंद्र शासन की उपरोक्त योजना के अलावा राज्य शासन ने राहवीर योजना भी लागू की है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्तियों को 25 हजार रुपये दिए जाएंगे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि सभी अस्पताल आगामी तीन दिन में अपना पंजीयन करवा ले जिससे कि आगामी सात दिवस में यह योजना अपने पूर्ण स्वरूप में लागू की जा सकेगी।

बैठक में बताया गया कि इस योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति मोटरयान दुर्घटना में घायल होता है, तो उसे अधिकतम सात दिनों तक निर्दिष्ट अस्पताल में नगदी रहित उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। दुर्घटना के उपरांत किसी अन्य अस्पताल में केवल स्थिरीकरण प्रक्रिया के लिए ही उपचार की अनुमति होगी, इसके बाद मरीज को उपचार हेतु निर्दिष्ट अस्पताल में स्थानांतरित किया जाएगा। योजना अंतर्गत प्रति पीड़ित को अधिकतम डेढ़ लाख तक का नगदी रहित उपचार प्रदान किया जाएगा। योजना के सुचारु क्रियान्वयन हेतु मोटर यान अधिनियम-1988 की धारा-215(3) के अंतर्गत गठित जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान से की भेंट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के इंदौर आगमन पर उनसे सौजन्य भेंट की। श्री सिलावट ने उनका आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान से सांवेर विधानसभा के निपानिया क्षेत्र में नवीन केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग की।

मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान को अवगत कराया की सांवेर विधानसभा अंतर्गत नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 36 के निपानिया क्षेत्र में 60 से अधिक कॉलोनियां, केन्द्रीय संगठन के कार्यालय एवं औद्योगिक इकाईयां तथा कई अस्पताल हैं। यहां की आबादी लगभग एक लाख से अधिक है, जिनमें सैकड़ों केन्द्रीय अधिकारी-कर्मचारी निवास करते हैं। निपानिया के इस क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय नहीं होने से केन्द्रीय औद्योगिक इकाईयों के अधिकारियों-कर्मचारियों के बच्चों को शिक्षा अर्जन हेतु शहर से दूर जाना पड़ता है, जिसके कारण बच्चों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। उक्त क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय की नवीन शाखा खोलने हेतु पर्याप्त भूमि एवं संसाधन उपलब्ध है। श्री सिलावट ने आग्रह किया कि विधानसभा क्षेत्र सांवेर अंतर्गत इंदौर नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 35 के निपानिया क्षेत्र में एक केन्द्रीय विद्यालय स्वीकृत करने हेतु समुचित आदेश प्रदान करें।

तु.सी आमणापुरकर ने शुरु की थी एक कमरे से छत्रपति संस्था, पूरे हुए पचास बरस

इंदौर। इंदौर के सहकारिता जगत में कुछ संस्थाएं अपने विश्वास औ साख के दम पर वर्षों से टिकी हुई है। इंदौर की छत्रपति शिवाजी सहकारी संस्था के पचास वर्ष पूरे हो चुके है। संस्था ने शनिवार को अपना स्थापना दिवस मनाया। पचास साल पहले तु.सी आमणापुरकर, वासुदेव राव चौखंडे ने 1974 में तिलकपथ के एक कमरे से इस संस्था की शुरुआत की थी। अब यह संस्था एक हरा भरा सहकारिता का पेड़ बन चुकी है। संस्था के पास अब खुद के दो भवन है। जिसमें दो शाखाएं संचालित होती है,जबकि मुख्यालय तिलकपथ पर है।

संस्था अध्यक्ष प्रभाकर चौखंडे ने बताया कि संस्था के सात हजार सदस्य है। संस्था का वार्षिक टर्नओवर 186 करोड़ रुपये है। संस्था ने अपनी कुटुंब सहायता में किसी तरह की कमी नहीं की है। दिवंगत सदस्यों के वारिसों को एक लाख 60 हजार रुपये की राशि दी जाती है। सदस्यों ने करोड़ों रुपये की एफडी संस्था में कराई है।

उन्हें बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज देने का हमारा प्रयास रहता है। छोटे कर्ज देकर कई परिवारों को

बाल विनय मंदिर में हुआ प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर– शिविर में 1042 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा बाल विनय मंदिर, इंदौर में आज प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 1042 लोगों का पंजीयन किया गया और विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। शिविर में 1042 लोगों की हार्ट, लिवर, कैंसर, टीबी, हड्डी एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी लगभग 3500 जाँचें की गईं। इनमें मुख्य रूप से 324 एचबी, 546 आरबीएस, 324 एसजीपीटी, 324 एसजीओटी, 324 लिपिड प्रोफाइल, 106 ईसीजी, 76 फाइब्रोस्कैन, 24 चेस्ट एक्सरे, 57 ईको, 59 यूएसजी, 55 मैमोग्राफी, 26 पेपस्मियर, 280 जनरल मेडिसिन, 167 आर्थो, 123 कॉर्डियोलॉजी, 106 गैस्ट्रोलॉजी, 35 टीबी चेस्ट स्क्रीनिंग, 91 गाइनेकोलॉजी, 89 पल्मोनरी, 76 रूमेटोलाजी, 81 कैंसर स्क्रीनिंग, 78 डेंटल चेकअप जाँचें विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। आभा एवं आयुष्मान योजना के तहत क्रमशः 224 और 73 मरीजों का इलाज किया गया।

सैम्स के फाउंडर चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी ने बताया कि जाँचों के दौरान ऐसे मरीजों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया जो पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं अथवा जिनके निकट भविष्य में किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने की संभावना है।

इंदौर–देवास बायपास विद्युतीकरण (स्ट्रीट लाइट) के कार्यों में तेजी लाये– मंत्री श्री सिलावट

मंत्री श्री सिलावट ने यातायात की सुगमता हेतु सभी अधिकारियों की ली बैठक

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में आज रेसीडेंसी कोठी में जल संसाधन विभाग, बायपास पर सड़क मरम्मत, फ्लाय ओवर निर्माण एवं स्ट्रीट लाइट आदि विषयों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में आईजी श्री अनुराग, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, डीआईजी श्री निमीष अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री सोमेश बांझल, ग्रामीण एसपी सुश्री हितिका वासल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि इंदौर-देवास बायपास पर निर्माण कार्य प्रगति पर है और उच्च अधिकारी उसकी सतत मॉनिटरिंग कर रहे है। वाहन चालकों, नागरिकों और विशेषकर ग्रामीणों को यातायात में किसी प्रकार की समस्यां नहीं आये, इस बात पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इंदौर-देवास बायपास पर विद्युतीकरण (स्ट्रीट लाइट) का कार्य एक हफ्ते में पूर्ण किया जाये। साथ ही उसका मेंटनेस भी करें। इस कार्य को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व नगर निगम विभाग प्राथमिकता के साथ करें। बायपास स्थित सर्विस रोड़ का चौडीकरण का कार्य समय-सीमा में पूर्ण कर लिया जाये। जिससे भारी मालवाहक वाहनों का आवागम सुगम हो सकें। बायपास पर बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। विशेषकर बारिश के दिनों में वाहन चालकों को परेशानी होती है। इसलिये इस मार्ग की निगरानी हेतु भारतीय राष्ट्रीय प्राधिकरण, पुलिस बल और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। इस क्षेत्र में पैचवर्क मोबाइल वेन की व्यवस्था भी की जाये।

पौष्टिक आहार से कोई वंचित न रहे, अन्न का एक भी दाना व्यर्थ न जाए - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खाद्य पदार्थ हमारे लिए प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, जिसका सदुपयोग सभी का दायित्व है। अन्न की बर्बादी रोकना सामाजिक व नैतिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से खाद्य सुरक्षा में सहयोग के लिए संकल्प लेने का आहवान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन इस बात के लिए जागरूक करता है कि अन्न का एक भी दाना व्यर्थ न जाए और पौष्टिक आहार से कोई भी वंचित न रहे।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी, संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास, संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य, कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा, उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय, विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव, विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे, ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर, संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर, संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी, विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नामांकन अभियान में उज्जैन जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ

इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल से जोड़ना

उज्जैन । जिला शिक्षा केन्द्र के जिला परियोजना समन्वयक अशोक त्रिपाठी ने जानकारी दी कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के द्वारा विद्यालयों में नामांकन बढाने हेतु विशेष प्रयास करने हेतु निर्देश दिए गए थे और इसे 01 अभियान के रूप में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके परिपालन में उज्जैन जिले में विद्यालयों में नामांकन हेतु 1 अप्रैल से आज दिनांक तक विशेष प्रयास कर जिले ने राज्य से जारी रेंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है ।

जिलें में अधिक से अधिक नामांकन विशेष तौर पर कक्षा-1 एवं कक्षा 6 में नामांकन हेतु विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल से जोड़ना, ड्रॉपआउट दर को

कम करना एवं शिक्षा के अधिकार को प्रभावी बनाना था।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह तथा जिला परियोजना समन्वयक के विशेष प्रयासों से जिले को यह गौरव प्राप्त हुआ है।

जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों ने एक जुट होकर प्रयास किए जिसके फलस्वरूप जिले में अधिकतम नामांकन सुनिश्चित किया गया। विकासखण्ड स्तर से भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी हुई और आस-पास के ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को विद्यालय से जोड़ने हेतु प्रयास किए गए। कक्षा-1 में नामांकन हेतु आंगनबाड़ी, महिला बाल विकास एवं समग्र पोर्टल से सूची प्राप्त कर प्रत्येक बच्चें को नामांकित करने के प्रयास किए गए।

अभियान को सफल बनाने के लिए जिला परियोजना समन्वयक महोदय द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड में स्वयं जाकर बैठकों का आयोजन कर विकासखण्ड अमले को उक्त कार्य हेतु प्रोत्साहित किया गया। उनके द्वारा प्रतिदिन समस्त एपीसी, बीआरसी, बीएसी, एवं सीएसी से व्ही.सी. के माध्यम से नामांकन की प्रगति की जानकारी ली गई। साथ ही विद्यालय स्तर पर शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर अभिभावकों से गृह संपर्क एवं संवाद भी किया गया। विकासखण्ड के ग्रामों में बाल सभा, रैली, नुक्कड नाटक व पोस्टर के माध्यम से जागरूकता फैलायी गई। विद्यालय में अभिभावकों को आमंत्रित कर अभिभावक बैठकें आयोजित की गई।

श्री हनुमान मंदिर, विशाल गौशाला का हुआ भूमि पूजन

उज्जैन। श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अखाड़ा खाकचौक, अंकपात, मंगलनाथ मार्ग स्थित अखाड़ा परिसर में दिव्य भव्य श्री हनुमान जी के मंदिर एवं विशाल गौशाला का भूमि पूजन जेष्ठ शुक्ल एकादशी पर विधि विधान मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि डॉ. रामेश्वरदास महाराज, भगवानदास महाराज, बलरामदास महाराज की अध्यक्षता में भूमिपूजन सविधि संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर अखाड़ा परिसर में साक्षी के रूप में चारों वैष्णव अखाड़ो के अतिथि के रूप में महन्त दिग्विजयदास महाराज, श्री पंच रामानन्दीय निर्वाणी अखाड़ा महन्त रामचन्द्रदास महाराज, श्री पंच रामानन्दीय दिगम्बर अखाड़ा महन्त तुलसीदास महाराज, श्री पंच रामानन्दीय खाकी अखाड़ा महन्तश्री महेशदास महाराज, श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अखाड़ा महन्तश्री मुनिशरणदास महाराज, श्री रामानन्द आश्रम महामंडलेश्वर, राम गोपाल दास महाराज श्रीराम मंदिर पंचकुआ आश्रम इन्दौर, श्रीमहंत अर्जुन दास श्री दक्षीण काली मंदिर इन्दौर मौजूद रहे। यह जानकारी महंत चरण दास महाराज श्री पंच रामानन्दीय निर्मोही अनि अखाड़ा द्वारा दी गई।

कक्षा प्रबंधन और कार्य नैतिकता पर हुई कार्यशाला

उज्जैन। सीखना एक सतत् प्रक्रिया है जो शिक्षकों के शिक्षण कौशल को बढ़ावा देती है।÷ इसी उद्देश्य के साथ श्री आर्यरक्षित शिक्षा संस्कार अकादमी में 8 जून, रविवार को ख्याति जैन द्वारा ÷कक्षा प्रबंधन और कार्य नैतिकता÷ पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य कक्षा को इंटरेक्टिव, खुशहाल बनाना है। उन्होंने शिक्षण अधिगमन प्रक्रिया को और अधिक रोचक और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न शिक्षण तकनीकों के बारे में बात की एवं बाल अनुकूल तकनीकों के महत्व पर प्रभाव डाला। उन्होंने शिक्षकों को कक्षा को और अधिक संवादात्मक बनाने के लिए विभिन्न भाषा और खेलों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

आठ दिवसीय पार ब्रह्म मेले के समापन पर किया सेवाधारीयों का सम्मान

उज्जैन। सिंधी समाज के इष्ट देवता भगवान झूलेलाल के 8 दिवसीय पार ब्रह्म मेले के समापन पर मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल वासवानी, महासचिव चांदीराम जेठवानी, कोषाध्यक्ष जयकिशन राजवानी के नेतृत्व में सभी सेवाधारियों का शाल एवं प्रसाद देकर सम्मान किया गया।

मंदिर के मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि झूलेलाल मंदिर गीता कॉलोनी पर आयोजित सम्मान समारोह में राजेश नाथनी, वर्षा आडवाणी, सोनिया नाथनी, चांदनी तोलानी, नैना मुलानी, संता वासवानी आदि का सम्मान किया गया। इस दौरान पवन खुबानी मोनू वासवानी, प्रदीप आसलानी, नारायण नरसिंघानी, ताराचंद वासवानी, राजू गोस्वामी, कमल लालवानी, हरिश गोस्वामी, गंजू चेतवानी, घनश्याम खुबानी, हेमनदास चंदानी, राजू ज्ञानचंदानी, राजू खटवानी, लक्ष्मण मोटवानी, दीपू मोहवानी, डालू मोटवानी, मनोज पेशवानी, सुंदर लालवानी, रूपा, नारायण उदासी, संतोष लालवानी, गोपाल राचवानी, हेमंत मूलवानी हरिश जैसवानी, हरिश आडवानी आदि मौजूद रहे।

बाल युवा संस्कार शिक्षण शिविर के समापन पर निकली अहिंसा शाकाहार रैली

उज्जैन। वर्धमान ग्रुप उज्जैन द्वारा जैन समाज के बच्चों को संस्कारित करने हेतु पिछले 6 दिनों से चल रहे बाल युवा संस्कार शिक्षण शिविर का समापन भव्य अहिंसा शाकाहार रैली से अति उत्साह उमंग और उल्लास के साथ हुआ। जिसमें बच्चें नारे लगाते हुए ओर हाथों में तख्तियां लेकर अहिंसामय विश्व धर्म की जय, महावीर के दिव्य सन्देश जियो और जीने दो आदि के नारे लगा रहे थे।

पं. प्रकाश छाबड़ा इन्दौर के निर्देशन में शांतिनाथ जिनालय लक्ष्मीनगर एवं जॉली मेमोरियल स्कूल में युवा विद्वान अंकुर जैन खदेरी, अंकित छाबड़ा, मन्यंक इंदौर, प्रिंस जैन इन्दौर पूजा जबलपुर, अरचेश इंदौर के नेतृत्व में आयोजित सम्पूर्ण शिविर में बच्चों को जीवन जीने की कला सिखलाते हुए उनके संस्कारों को धर्म मार्ग से जोड़ने वाली शिक्षा प्रदान की गई।

जिसमें बच्चों को उनके घरों से प्रतिदिन लाने, ले जाने की सुव्यवस्थित तरीके से व्यवस्थाएं की गई थी, उन्हें सुस्वादु शुद्ध सात्विक स्वल्पाहार दिया जाता था, वे प्रतिदिन सुबह 6:45 से 11 बजे तक एवं संध्या 7 से 9:30 बजे तक अलग अलग विषयों की क्लास के साथ साथ पूजन, धार्मिक संस्कार, नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्राप्त कर रहे थे।

कार्यक्रम संयोजक प्रतीक चौधरी, अकलंक जैन ने बताया कि शिविर के समापन पर सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया उसके पूर्व उनकी 7 तारीख को परीक्षा ओ. एम. आर. शीट पर आयोजित की गई जिसमे प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी लेवल के बच्चों को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यंग जैन स्टडी ग्रुप के संचालक पण्डित प्रकाश छाबड़ा को वर्धमान ग्रुप द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। शिविर आमंत्रण कर्ता स्नेहलता श्रवण कुमार सोगानी, हितेश मनीषा जैन, अशोक, चेतन, अभिषेक राणा, शीतल, अक्षय जैन, रामलाल जवाहर लाल गंगवाल परिवार, डॉ. अमित अंशु जैन, महावीर गर्वित जैन, नरेन्द्र संगीता सोगानी आदि को सम्मानित किया गया। शिविर संयोजक धवल दोशी, महावीर जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी लेवल के बच्चों की परीक्षा ली गई जिसमें 8 वर्ष से 80 वर्ष के शिविरार्थियों ने भाग लिया सभी परीक्षार्थियों को पुरस्कृत किया गया और सभी ने बहुत ही ज्ञानवर्धक बातें भी सीखी। वर्धमान ग्रुप के संरक्षक संजय जैन, अध्यक्ष पंकज जैन, सचिव नमन बिलाला, चेयरमैन पंकज जैन के साथ पूरी वर्धमान ग्रुप की टीम ने शांतिनाथ जिनालय लक्ष्मीनगर एवं जॉली मेमोरियल स्कूल द्वारा दी गई सुविधाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

पिछले 6 दिनों से सहयोग देने वाले सभी समाज जनों का सम्मान किया।

अग्निवीर के रूप में चयनित होकर उज्जैन लौटे कुलदीप राठौर का सम्मान

उज्जैन। भारतीय सेना (आर्टिलरी कोर टेक्निकल विंग) अग्निवीर के रूप में चयनित होकर ट्रेनिंग पूर्ण कर कसम परेड (भारतीय सेना के प्रति संकल्प बध्द होना) के बाद उज्जैन लौटे कुलदीप सिंह राठौड़ का पैतृक गांव बिसन खेड़ा उज्जैन में संयुक्त मोर्चा जिला अध्यक्ष मोकम सिंह पटेल के नेतृत्व में भव्य स्वागत ग्रामवासी एवं संयुक्त मोर्चा दल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर निखिलेश गौड़ संभागीय अध्यक्ष ऑडिटर संगठन, अर्जुन सिंह राठौड़ सरपंच ग्राम पंचायत बिसन खेड़ा, दीपक राजपूत, हेमराज घावरी जिला अध्यक्ष लघु वेतन कर्मचारी संघ, मुकेश रायकवार, बलवीर सिंह चौहान, आदि उपस्थित रहे। जानकारी संयुक्त मोर्चा जिला अध्यक्ष मोकम सिंह पटेल ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com